# रिपोर्ट

## हिंदी विभाग, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

## 'कविता कैसे पढ़ें' श्रृंखला के तहत वरिष्ठ कवि श्री केदारनाथ सिंह का विशेष व्याख्यान

हिंदी विभाग, श्यामलाल कॉलेज द्वारा दिनांक 7 सितम्बर, 2017 को 'कविता कैसे पढ़ें' विषय पर एक दिवसीय एकल व्याख्यान/संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। देश के सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार ज्ञानपीठ पुरस्कार एवं साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत तीसरा सप्तक के कवि एवं जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा केंद्र से सेवानिवृत्त केदारनाथ सिंह इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता थे। अभी बिल्कुल अभी (1960), जमीन पक रही है(1980), यहाँ से देखो(1983), बाघ(1996),(पुस्तक के रूप में), अकाल में सारस (1988), उत्तर कबीर और अन्य कविताएँ (1995)तालस्ताय और साइकिल (2005), सृष्टि पर पहरा (2014) उनके कविता संग्रह हैं। कॉलेज के प्राचार्य श्री रविनारायण कर ने केदारनाथ सिंह का स्वागत पुष्प गुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट करके किया। केदारनाथ सिंह ने विभाग के विद्यार्थियों के साथ संवाद की शैली में कविता की बारीकियों और उसे पढ़ने के तरीके को लेकर चर्चा की। अपने वक्तव्य में प्रोफेसर कर ने केदरानाथ सिंह के कॉलेज आगमन को एक गौरवशाली क्षण बताया और विद्यार्थियों से उनसे प्रेरणा लेने को कहा। विभाग के विद्यार्थियों ने केदारनाथ सिंह की कुछ कविताओं का पाठ उनके सामने किया और फिर उन्हीं कविताओं का पाठ केदारनाथ सिंह द्वारा भी किया गया, जिससे विद्यार्थियों को कविता को पढ़ने की बारीकियों का पता चला। बाद में विद्यार्थियों की मांग पर केदारनाथ सिंह ने अपनी कुछ प्रसिद्ध कविताओं, मसलन बनारस का पाठ भी किया। इस कार्यक्रम का फेसबुक लाइव से भी प्रसारण किया गया और इससे काफी संख्या में एनी कॉलेजों के शिक्षक भी इस व्याख्यान से जुड़े। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए हिंदी विभाग के प्रभारी श्री अमिताभ राय ने केदारनाथ सिंह के वक्तव्य के मुख्य बिंदुओं को रेखांकित करते हुए हिंदी कविता को उनके अवदान से विद्यार्थियों से परिचित कराया और हिंदी विभाग तथा श्यामलाल कॉलेज की तरफ से उन्हें कॉलेज में पधारने के लिए धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम का संचालन विभाग के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। विभाग के सभी सदस्य और छात्रों की इस कार्यक्रम में उत्साहजनक उपस्थिति रही। दूसरे विभागों के शिक्षक भी श्री केदारनाथ सिंह को सुनने के लिए आए। कुल मिलाकर यह आयोजन काफी सफल रहा।

**Figure 1 हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ अमिताभ राय पुष्प गुच्छ देकर ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता कवी केदारनाथ सिंह का स्वागत करते हुए.**

Figure 2छात्रों को संबोधित करते हुए केदारनाथ सिंह

Figure 3व्याख्यान के बाद विभाग के शिक्षकों एवं छात्रों के साथ कवि केदारनाथ सिंह.

Figure 4 व्याख्यान के बाद विभाग के शिक्षकों के साथ ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता कवि केदारनाथ सिंह.